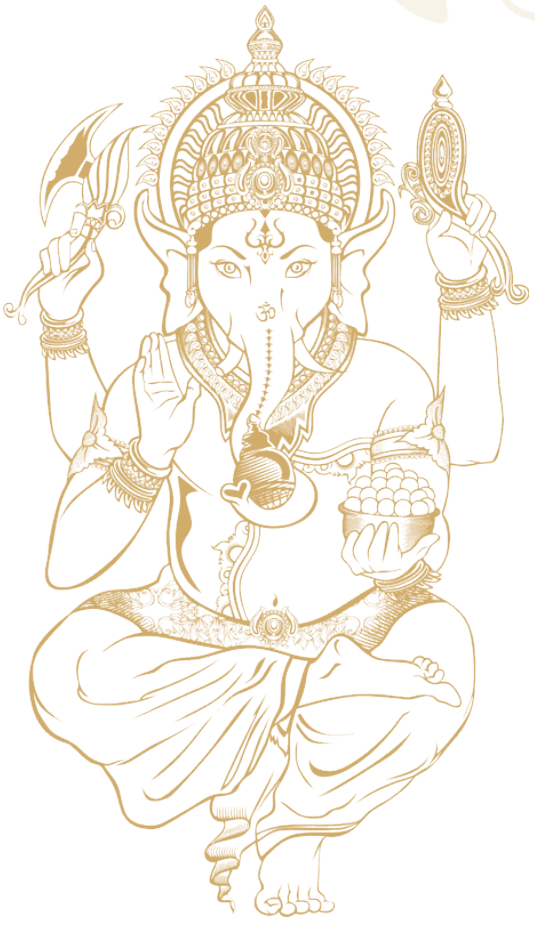

Hhh

17 May 2001

02:45 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121488502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/05/2001**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	53:23:40 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:27:12 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	18:05:48 घंटे
सूर्योदय	05:23:31 घंटे
सूर्यास्त	19:05:12 घंटे
दिनमान	13:41:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:10:35 वृष
लग्न के अंश	08:14:19 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	08:14:19	526:48:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृष	02:10:35	00:57:50	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	18:10:49	12:00:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		धनु	05:00:27	00:03:57	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध			वृष	23:33:18	01:19:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृष	23:05:40	00:13:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	18:41:51	00:43:22	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि		अ	वृष	09:22:18	00:07:44	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	13:19:47	00:02:15	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	13:19:47	00:02:15	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:53:59	00:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:53:48	00:00:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	20:32:28	00:01:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	07:27:17	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:16

लग्न-चलित

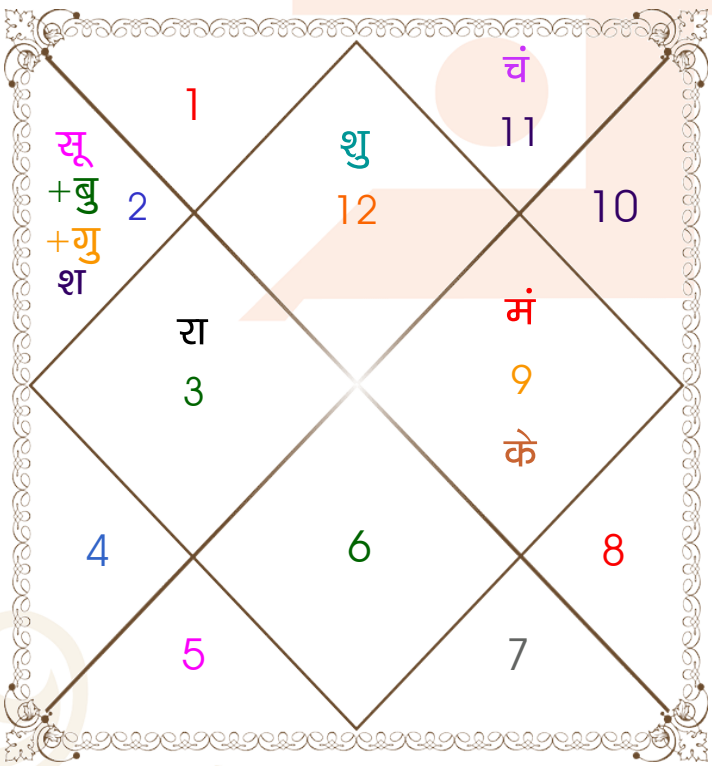

चन्द्र कुंडली

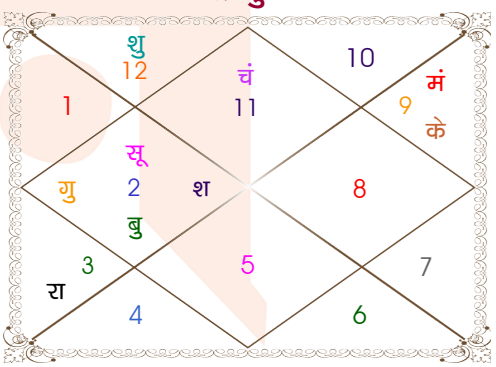

नवमांश कुंडली

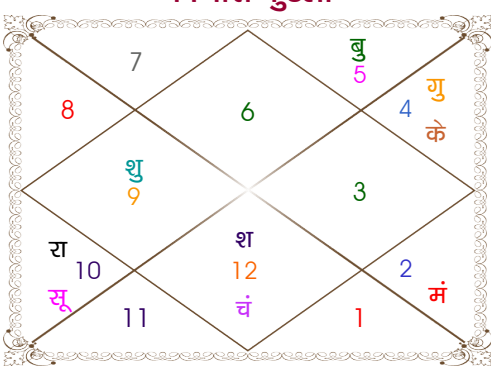

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 5 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/05/2001		31/10/2003		31/10/2019		31/10/2038		31/10/2055	
31/10/2003		31/10/2019		31/10/2038		31/10/2055		31/10/2062	
	00/00/0000	गुरु	18/12/2005	शनि	03/11/2022	बुध	28/03/2041	केतु	28/03/2056
	00/00/0000	शनि	30/06/2008	बुध	13/07/2025	केतु	25/03/2042	शुक्र	28/05/2057
	00/00/0000	बुध	06/10/2010	केतु	22/08/2026	शुक्र	23/01/2045	सूर्य	03/10/2057
	00/00/0000	केतु	12/09/2011	शुक्र	21/10/2029	सूर्य	30/11/2045	चंद्र	04/05/2058
	00/00/0000	शुक्र	13/05/2014	सूर्य	03/10/2030	चंद्र	01/05/2047	मंगल	30/09/2058
	00/00/0000	सूर्य	01/03/2015	चंद्र	04/05/2032	मंगल	27/04/2048	राहु	19/10/2059
	17/05/2001	चंद्र	30/06/2016	मंगल	12/06/2033	राहु	15/11/2050	गुरु	24/09/2060
चंद्र	12/10/2002	मंगल	06/06/2017	राहु	18/04/2036	गुरु	20/02/2053	शनि	02/11/2061
मंगल	31/10/2003	राहु	31/10/2019	गुरु	31/10/2038	शनि	31/10/2055	बुध	31/10/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/10/2062		31/10/2082		30/10/2088		31/10/2098		31/10/2105	
31/10/2082		30/10/2088		31/10/2098		31/10/2105		00/00/0000	
शुक्र	01/03/2066	सूर्य	17/02/2083	चंद्र	31/08/2089	मंगल	29/03/2099	राहु	14/07/2108
सूर्य	01/03/2067	चंद्र	19/08/2083	मंगल	01/04/2090	राहु	16/04/2100	गुरु	07/12/2110
चंद्र	30/10/2068	मंगल	25/12/2083	राहु	30/09/2091	गुरु	23/03/2101	शनि	13/10/2113
मंगल	30/12/2069	राहु	17/11/2084	गुरु	29/01/2093	शनि	02/05/2102	बुध	02/05/2116
राहु	30/12/2072	गुरु	06/09/2085	शनि	31/08/2094	बुध	29/04/2103	केतु	20/05/2117
गुरु	31/08/2075	शनि	19/08/2086	बुध	30/01/2096	केतु	25/09/2103	शुक्र	20/05/2120
शनि	31/10/2078	बुध	25/06/2087	केतु	30/08/2096	शुक्र	24/11/2104	सूर्य	13/04/2121
बुध	31/08/2081	केतु	31/10/2087	शुक्र	01/05/2098	सूर्य	01/04/2105	चंद्र	18/05/2121
केतु	31/10/2082	शुक्र	30/10/2088	सूर्य	31/10/2098	चंद्र	31/10/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 5 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।